2024

1. सूची-I व सूची-II को सुमेलित करते हुए राजस्थान की प्रसिद्ध चित्रकला शैलियों एवं उनके चित्रकारों के संबंध में सही विकल्प चुनिये :

सूची-I		सूची-II	
A.	किशनगढ़	i.	साहिबदीन
B.	बीकानेर	ii.	निहालचंद
C.	मेवाड़	iii.	अली रजा
D.	मारवाड़	iv.	शिवदास

कूट :

	A	B	C	D
(1)	ii	i	iii	iv
(2)	ii	iv	i	iii
(3)	ii	iii	i	iv
(4)	ii	iii	iv	i

(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

किशनगढ़ चित्रशैली -प्रमुख चित्रकार

- मोरध्वज निहालचंद, नानकराम, सीताराम, रामनाथ, बदनसिंह, सूरध्वज, लालड़ीदास, सवाईराम।

मेवाड़ शैली के प्रमुख चित्रकार

- साहबद्दीन, मनोहर, शाह उमरा, कमलचन्द, हीरानंद, जीवाराम, भैंरुराम, नासिरुद्दीन, कृपाराम, नुरुद्दीन, जगन्नाथ।

मारवाड़/जोधपुर चित्रशैली - प्रमुख चित्रकार

- वीरजी, रतनजी भाटी, माधोदास, शंकरदास, अमरदास, बिशनदास, शिवदास, फतेह मोहम्मद, चाँद तैय्यब, रामसिंह भाटी, जीतमल, छज्जू।

बीकानेर चित्रशैली - प्रमुख कलाकार

- अलीरजा, रुक्नूद्दीन, हिसामुद्दीन उस्ता (पद्म श्री से सम्मानित) मुन्नालाल, रामकिशन, चन्दूलाल, जयकिशन, शिवराम, मुकुन्द, जोशी मेघराज।

2. राजोरगढ़ में मथानदेव द्वारा निर्मित प्रसिद्ध मंदिर निम्न में से किस देवी देवता को समर्पित था ?

(1) महिषासुर मर्दिनी (2) शिव
(3) विष्णु (4) सूर्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- राजोरगढ़ में मथानदेव (परमेश्वर मथनदेव) द्वारा निर्मित प्रसिद्ध मंदिर मुख्य रूप से भगवान शिव (नीलकंठ महादेव) को समर्पित था।
- पुरातात्विक साक्ष्य और शिलालेखों से यह भी पता चलता है कि मथानदेव ने इसी मंदिर परिसर में देवी महिषासुर मर्दिनी को समर्पित एक मंदिर का निर्माण या संरक्षण भी किया था।
- इस मंदिर का निर्माण 10वीं शताब्दी में गुर्जर-प्रतिहार राजा मथानदेव ने करवाया था।

3. लोक वाद्ययंत्र 'चौतारा' के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए–

A. यह चार तारों वाला वाद्ययंत्र है।

B. यह सामान्यतः रामदेवजी के भजन गाने में प्रयुक्त होता है।

(1) A और B दोनों असत्य हैं।
(2) केवल A सत्य है।
(3) केवल B सत्य है।
(4) A और B दोनों सत्य हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- लोक वाद्ययंत्र 'चौतारा' के संबंध में दिए गए दोनों कथन A और B दोनों सत्य हैं।

चौतारा वाद्ययंत्र का विवरण

- चौतारा/तन्दूरा : यह राजस्थान का एक प्रसिद्ध तत वाद्ययंत्र (String instrument) है।
- इसे अक्सर तन्दूरा, तंबूरा या वानो के नाम से भी जाना जाता है। यह चार तारों वाला वाद्ययंत्र है। नाम के अनुरूप, 'चौतारा' का शाब्दिक अर्थ है चार तार। हालाँकि, इसके कुछ रूपों में 5 या 6 तार भी हो सकते हैं, लेकिन मुख्य रूप से इसे 4 तारों के लिए जाना जाता है।
- यह सामान्यतः रामदेवजी के भजन गाने में प्रयुक्त होता है। चौतारा (या तन्दूरा) का उपयोग विशेष रूप से कामांड़ जाति के भक्तों द्वारा रामदेवजी के भजन और तेरहताली नृत्य के दौरान लय प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह अक्सर संत कबीर और मीराबाई के भजनों के गायन में भी प्रयोग किया जाता है।

4. निम्न में से कौन-सा विकल्प सही सुमेलित नहीं है?

(1) शत्रुसाल रासो -डूंगरसिंह
(2) पृथ्वीराज रासो - चंदरबरदाई
(3) बीसलदेव रासो- नरपति नाल्ह
(4) खुमाण रासो- करणीदान
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- शत्रुसाल रासो - डूंगरसिंह
- पृथ्वीराज रासो - चंदरबरदाई
- बीसलदेव रासो - नरपति नाल्ह
- खुमाण रासो - दलपत विजय
- सूरज प्रकाश - करणीदान

5. निम्नलिखित में से किसके लिए राजस्थानी भाषा में आड़ी हीयाली शब्द प्रचलित हैं ?

(1) पहेलियाँ (2) मुहावरे
(3) लोकोक्ति (4) फड़
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **पहेलियाँ-** राजस्थानी लोक-साहित्य में "आड़ी हीयाली" या "आड़ हीयाली" शब्द का प्रयोग लोक-जन में प्रचलित पहेलियों के लिए किया जाता है। ये लोक-ज्ञान, बुद्धिमत्ता और भाषा की चतुराई का सुंदर उदाहरण मानी जाती हैं।
- **मुहावरे** – स्थायी वाक्यांश या अभिव्यक्ति, जिनका अर्थ शब्दशः नहीं होता।
- **लोकोक्ति** – जनजीवन से जुड़ी कहावतें या उपदेशात्मक कथन।
- **"फड़"**राजस्थान की एक प्रसिद्ध पारंपरिक लोक कला और चित्रकला शैली है, जो कपड़े के एक लंबे टुकड़े पर की जाती है।

6. संत लालदास के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए :
A. संत लालदास आजीवन अविवाहित रहे।
B. संत लालदास की मृत्यु के पश्चात् उनके समाधि स्थान पर मन्दिर का निर्माण करवाया गया।
(1) A और B दोनों असत्य हैं।
(2) केवल A सत्य है।
(3) केवल B सत्य है।
(4) A और B दोनों सत्य हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

संत लालदास जी

- संत लालदास जी राजस्थान के प्रमुख मध्यकालीन संतों में से एक हैं। उन्हें विशेष रूप से मेवात क्षेत्र (अलवर-भरतपुर) का लोक संत माना जाता है। वे हिन्दू-मुस्लिम एकता और धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक थे।
- जन्म: 1540 ई. (श्रावण कृष्ण पंचमी)
- जन्म स्थान: धौलीदूव, जिला अलवर।
- जाति: मेव (मुस्लिम), लेकिन वे हिन्दू रीति-रिवाजों को भी मानते थे।
- व्यवसाय: लकड़हारा (वे जंगल से लकड़ियां काटकर अपना जीवनयापन करते थे)।
- माता-पिता: माता समदा और पिता चांदमल।
- गुरु: गदन चिश्ती (तिजारा के मुस्लिम संत)।
- विवाह: उनकी पत्नी का नाम भोगरी था। (वे आजीवन गृहस्थ रहे)।
- मृत्यु: 1648 ई. में नगला (भरतपुर) में हुई।
- समाधि/मुख्य पीठ: शेरपुर (अलवर)। यहाँ आश्विन एकादशी और माघ पूर्णिमा को मेला भरता है।

लालदासी संप्रदाय (Laldasi Sect)

- संत लालदास जी ने 'लालदासी संप्रदाय' की स्थापना की।
- भक्ति धारा: निर्गुण भक्ति (ईश्वर का कोई रूप नहीं है)।
- दीक्षा की अनूठी शर्त: इस संप्रदाय में दीक्षा लेना बहुत कठिन माना जाता है। शिष्य को अपना अहंकार (Ego) त्यागने के लिए: मुंह काला करके, गधे पर उल्टा बैठाकर, जूतों की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया जाता है। अंत में उसे शर्बत पिलाया जाता है। इसका उद्देश्य व्यक्ति के मन से 'मैं' (घमंड) को खत्म करना है।
- प्रमुख ग्रंथ: 'लालदास जी की चेतावनियाँ' (यह ग्रंथ संवाद शैली में है)।
- संत लालदास की मृत्यु के पश्चात् उनके समाधि स्थान पर मन्दिर का निर्माण करवाया गया।
- उनका देहांत नगला (भरतपुर) में हुआ था, लेकिन उनका समाधि स्थल शेरपुर (अलवर) में बनाया गया।

7. राजस्थान की वेशभूषा में प्रयुक्त 'कसूमल' निम्न में से कौन-सा रंग होता है?
(1) केसरिया (2) लाल
(3) पीला (4) गुलाबी
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- राजस्थान की वेशभूषा में प्रयुक्त 'कसूमल' रंग का अर्थ लाल रंग होता है।
- यह पारंपरिक राजस्थानी पोशाकों और विशेषकर पगड़ी या साफे में एक प्रमुख और महत्वपूर्ण रंग माना जाता है जो उत्साह, ऊर्जा और जीवन शक्ति का प्रतीक है।
- यह रंग विवाह जैसे शुभ अवसरों पर बहुतायत में प्रयोग होता है क्योंकि इसे सौभाग्य और समृद्धि का संकेत माना जाता है।

2023

8. नथमल जी की हवेली अवस्थित है:
(1) बाड़मेर (2) बीकानेर
(3) जोधपुर (4) जैसलमेर
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- नथमल जी की हवेली जैसलमेर में स्थित है। इसे जैसलमेर के प्रधानमंत्री नथमल ने बनवाया था।

9. राजस्थान के किस संप्रदाय के पुरुषों द्वारा अग्नि नृत्य किया जाता है?
(1) बिश्नोई संप्रदाय (2) रामस्नेही संप्रदाय
(3) जसनाथी संप्रदाय (4) दादू पंथ
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[3]**

व्याख्या:-

- राजस्थान में अग्नि नृत्य का आरम्भ 'जसनाथी सम्प्रदाय' के जाट सिद्धों द्वारा किया गया था।
- अग्नि नृत्य का उद्गम स्थल बीकानेर का 'कतरियासर' ग्राम माना जाता है।
- जसनाथी सिद्ध रात्रि जागरण के समय आग के अंगारों पर यह नृत्य करते हैं।

10. कुवलयमाला नामक ग्रंथ में कितनी देशी भाषाओं के नाम का उल्लेख है?
(1) 18 (2) 17
(3) 16 (4) 15
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

व्याख्या:-

- कुवलयामाला नामक ग्रन्थ की रचना उद्योतन सूरी ने जालोर में की थी। इसमें राजस्थान की 18 भाषाओं का उल्लेख मिलता है।

11. 'अचलदस खींची री वचनिका' के लेखक हैं-

(1) गोपाल दान कविया
(2) केसरी सिंह बारहठ
(3) रामनाथ कविया
(4) चारण शिवदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- अचलदास खींची री वचनिका चारण कवि शिवदास गाडण द्वारा रचित एक ऐतिहासिक कृति है। इस प्रसिद्ध कृति से मांडू के सुल्तान होशंगशाह व गागरोण के शासक अचलदास खींची के मध्य हुए युद्ध (1423 ई.) की जानकारी मिलती है।
- इसकी कृति की रचना डिंगल भाषा में की गई है।

12. निम्न में से कौन-सा युग्म गलत सुमेलित है?

(1) रामदेवजी — रामदेवरा
(2) मल्लिनाथ जी — गागरोण
(3) तेजाजी — खड़नाल
(4) पाबूजी — कोलू
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[2]**

व्याख्या:-

- मल्लीनाथ जी ने कुंडा पंथ की स्थापना की थी।
- तिलवाड़ा (बालोतरा) में मल्लीनाथ जी का प्रसिद्ध मंदिर है। यहाँ हर वर्ष चैत्र कृष्ण एकादशी से पन्द्रह दिन तक मेला भरता है।
- राजस्थान का सबसे प्राचीनतम पशु मेला मल्लीनाथ पशु मेला, तिलवाड़ा (बालोतरा) में लगता है।

13. चंद्रभागा मेला प्रतिवर्ष कहाँ आयोजित होता है?

(1) बूँदी
(2) बाँसवाड़ा
(3) डूँगरपुर
(4) झालरापाटन
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- हर साल कार्तिक महीने में राजस्थान के झालरापाटन में चंद्रभागा मेला लगता है।
- ये मेला चंद्रभागा नदी के सम्मान में मनाया जाता है, जिसमें कार्तिक मास के पूरे चांद में स्नान करना उत्तम माना गया है।

14. निम्न में से कौन-सा राजस्थान का दुर्ग गिरि दुर्ग नहीं है?

(1) गागरोण का दुर्ग (2) जालौर का दुर्ग
(3) चित्तौड़गढ का दुर्ग (4) सिवाना का दुर्ग
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[1]**

व्याख्या:-

- गागरोण का दुर्ग गिरि दुर्ग नहीं है। यह दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के सबसे प्राचीन व विकट दुर्गों में से एक है। यह एक प्रमुख जल दुर्ग है।

15. निम्नलिखित में से किसके द्वारा 'सुरकोटड़ा' नामक हड़प्पा संस्कृति स्थल की खोज की गयी थी ?

(1) बी.बी. लाल
(2) एस.आर. राव
(3) वाई.डी. शर्मा
(4) जगपति जोशी
(5) अनुत्तरित प्रश्न **[4]**

व्याख्या:-

- 1964 में जगपति जोशी ने गुजरात के कच्छ जिले में स्थित सुरकोटड़ा की खोज की थी। यहाँ से नियमित आवास के साक्ष्य मिले हैं।

2021

16. बखनाजी, संतदास जी, जगन्नाथ दास और माधोदास नामक संतों का संबंध निम्नलिखित में से किस सम्प्रदाय के साथ था?

(1) दादू पंथ (2) लालदासी सम्प्रदाय
(3) जसनाथी सम्प्रदाय (4) रामस्नेही सम्प्रदाय **[1]**

व्याख्या:-

संत दादू:-

- उपनाम– राजस्थान का कबीर।
- जन्म– 1544 ई. को अहमदाबाद में फाल्गुन शुक्ल अष्टमी
- लालन-पालन– लोदीराम ब्राह्मण।
- गुरु– ब्रह्मानन्द/बुड्ढ़न/वृद्धानन्द
- 1568 ई. में सांभर आए व यहाँ धुनियाँ का कार्य शुरू किया तथा यहीं पर सर्वप्रथम उपदेश दिए।
- प्रधान पीठ– नरायणा (जयपुर)।
- अलख दरीबा– सत्संग स्थल।
- अभिवादन– सत्य राम।
- प्रमुख शिष्य– गरीबदास (दादू के बड़े पुत्र), मिस्किनदास (दादू के पुत्र), सुन्दरदास, बखनाजी, रज्जब जी, माधोदास, जगन्नाथजी।
- दादू जी की पुत्रियाँ– शोभाकँवरी, रूपकँवरी।

17. सूची-i एवं सूची-ii को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए-

सूची – I त्योहार		सूची–II उत्सव की तिथि/माह	
A.	बूंदी की कजली तीज	(i)	भाद्रपद कृष्ण तृतीया
B.	होली	(ii)	फाल्गुन पूर्णिमा
C.	पर्युषण पर्व	(iii)	भाद्रपद माह
D.	गणगौर	(iv)	चैत्र माह

कूट:

(1) A-i B-ii C-iv D-iii
(2) A-i B-ii C-iii D-iv
(3) A-iii B-iv C-i D-ii
(4) A-iv B-iii C-ii D-i **[2]**

व्याख्या:-

त्योहार	उत्सव की तिथि/माह

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

बूँदी की कजली तीज	भाद्रपद कृष्ण तृतीया
होली	फाल्गुन पूर्णिमा
पर्युषण पर्व	भाद्रपद
गणगौर	चैत्र माह (शुक्ल तृतीया)

18. राजस्थान के रीति – रिवाजों में 'आणौं क्या है?

(1) कुआँ पूजन
(2) दुल्हन के परिवार द्वारा वर की बारात का डेरा देखने जाना
(3) विवाह के पश्चात् दुल्हन को दूसरी बार ससुराल भेजना
(4) जलझूलनी की एकादशी पूजा **[3]**

व्याख्या:-

- राजस्थान के रीति-रिवाजों में आंणौ से तात्पर्य विवाह के पश्चात् दुल्हन को ससुराल भेजने से है।

19. जोधपुर नरेश मानसिंह की रानी भटियाणी प्रतापकुँवरी ने अपने द्वारा बनाये गये मंदिर को पुनः अन्यत्र बनवाया, क्योंकि पहले वाला मंदिर जमीन में धंस गया था. और उसने उसकी प्राण प्रतिष्ठा 1857 में कराई। उस मंदिर का नाम है–

(1) कुंज बिहारी मंदिर (2) महामंदिर
(3) घनश्यामजी का मंदिर (4) तीजा मांजी का मंदिर **[4]**

व्याख्या:-

- जोधपुर नरेश मानसिंह की रानी भटियाणी प्रतापकुँवरी ने अपने द्वारा बनाए गए तीजा मांजी मंदिर को पुन: अन्यत्र बनवाया। क्योंकि पहले वाला मंदिर जमीन में धँस गया था और उसने उसकी प्राण प्रतिष्ठा 1857 ई. में करायी। यह मंदिर जोधपुर में है। जोधपुर के नरेश मानसिंह ने जोधपुर में महामंदिर का निर्माण करवाया था। इस मंदिर का निर्माण मानसिंह (1803-1843 ई.) ने 40 लाख रुपये की लागत से करवाया था। इस मंदिर में 84 खम्बे हैं।

20. निम्नलिखित में कौन सा एक युग्म सही सुमेलित नहीं है?

पुस्तकें	**लेखक**
(A) नेह तरंग	सवाई प्रतापसिंह
(B) नागदमण	सांयाजी झूला
(C) रणमल छन्द	श्रीधर व्यास
(D) भाषा भूषण	महाराजा जसवंत सिंह

(1) A (2) C
(3) B (4) D **[1]**

व्याख्या:-

- नेह तरंग पुस्तक की रचना राजपूत शासक बूँदी नरेश राव बुद्ध सिंह द्वारा किया गया था।
- नेह तरंग की काव्य भाषा पिंगल है।
- हाड़ौती के काव्य पुरोधाओं में राजा बुद्ध सिंह का नाम उल्लेखनीय है।

21. 'टोटी' आभूषण शरीर के किस हिस्से में पहना जाता है?

(1) नाक (2) हाथ
(3) कटि (4) कान **[4]**

व्याख्या:-

कान के आभूषण

- टोंटी:–तोते के समान बना आभूषण जो कान में पहना जाता है।
- बाली:– सोने या चाँदी की बनी हल्की रिंग
- मोर भँवर:- मोर के आकार का आभूषण जो कानों में पहना जाता है।
- पीपलपत्र:– सोने या चाँदी का बना अंगूठी आकार का आभूषण
- ओगणियाँ:– सोने या चाँदी का आभूषण जो कान के ऊपरी भाग में पहना जाता है।
- भादरायण:- कान के ऊपरी भाग में पहना जाने वाला आभूषण जिनकी संख्या 4 से 11 होती है।
- कर्णफूल:– सोने या चाँदी से बना पुष्पाकार आभूषण जो कान के निचले भाग में पहना जाता है।

22. सूची-I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए

सूची-I लोक वाद्य यंत्र		**सूची-II प्रख्यात कलाकार**	
A.	भपंग	(i)	सदीक खाँ
B.	नड़	(ii)	जहूर खाँ
C.	अलगोज़ा	(iii)	कर्णा भील
D.	खड़ताल	(iv)	रामनाथ चौधरी

कूट–

	A	**B**	**C**	**D**
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv) **[1]**

व्याख्या:-

लोक वाद्य यंत्र	**प्रख्यात कलाकार**
भपंग	जहूर खाँ
नड़	कर्णा भील
अलगोजा	रामनाथ चौधरी
खड़ताल	सदीक खाँ

- भपंग – यह कटे हुए तूबे से बना होता है, जिसके एक सिरे पर चमड़ा मढ़ा होता है। डमरू की आकृति का होता है।
- नड़ – कगौर वृक्ष की 1 मीटर लम्बी लकड़ी से बनाया जाता है। मशक की तरह का वाद्य जिसे मुँह पर टेढ़ा रखकर बजाया जाता है।
- अलगोजा – इसमें चार छेदों वाली 2 बाँसुरी होती है। दो अलगोजा मुँह में रखकर एक साथ बजाया जाता है।
- खड़ताल – लकड़ी के चार छोटे-छोटे चिकने एवं पतले टुकड़ों से बना यह वाद्य दोनों हाथों में लेकर बजाया जाता है।

23. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी कहाँ अवस्थित है?

(1) बीकानेर (2) जयपुर
(3) उदयपुर (4) जोधपुर **[1]**

व्याख्या:-

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (बीकानेर)

- स्थापना:- 25 जनवरी, 1983
- सर्वोच्च पुरस्कार:-सूर्यमल्ल मीसण
- पत्रिका:- जागती जोत

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

जवाहर कला केंद्र (जयपुर)

- भारतीय कला और विरासत के विशाल क्षेत्र में, कला और कलाकारों के संरक्षण और पोषण की आवश्यकता के परिणामस्वरूप वर्ष 1993 में जयपुर में एक अंतर्राष्ट्रीय बहु-कला और संस्कृति केंद्र की स्थापना हुई, जिसे जवाहर कला केंद्र के नाम से जाना जाता है।
- इसका डिजाइन 'नवग्रह' (9 ग्रहों) की अवधारणा और भारतीय वास्तुशास्त्र पर आधारित है।
- इसका वास्तुकार प्रसिद्ध आर्किटेक्ट चार्ल्स कोरिया थे।

राजस्थान संगीत संस्थान, जयपुर

- यह संस्थान राज्य सरकार द्वारा संचालित एक प्रमुख संगीत शिक्षण संस्था है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी।
- राजस्थानी शोध संस्थान की स्थापना वर्ष 1955 में जोधपुर में की गई। यहाँ से परंपरा नाम पत्रिका प्रकाशित होती है।

24. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट में से कीजिए –

सूची-I पर्यटक स्थल		सूची-II स्थिति	
A.	लालगढ़	(i)	झालावाड़
B.	त्रिपुर सुन्दरी	(ii)	बाडमेर
C.	गागरोण किला	(iii)	बीकानेर
D.	नाकोड़ा	(iv)	बांसवाड़ा

कूट

	A	B	C	D
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

[3]

व्याख्या:-

- त्रिपुर सुंदरी मंदिर राजस्थान के बाँसवाडा जिले में स्थित है। इस मंदिर के अंदर एक ही देवी माता दुर्गा की दो छवियाँ मौजूद हैं।
- लालगढ़ पर्यटक स्थल राजस्थान के बीकानेर में स्थित है। यह एक खूबसूरत महल है, जिसे महाराज गंग जी द्वारा वर्ष 1902 से 1926 के बीच बनवाया गया था।
- गागरोण किला, राजस्थान के झालावाड़ जिले में स्थित है। इस किले की स्थापना वर्ष 1195 ईस्वी में राजा बलदेव द्वारा की गई, जो परमार शासक से सम्बंधित थे।
- नाकोड़ा, राजस्थान के बाड़मेर जिले का प्रसिद्ध गाँव है। नाकोड़ा में एक प्रसिद्ध जैन मंदिर भी है।

2018

25. सुमेलित कीजिए-

मंदिर		जिला	
I.	कामेश्वर महादेव	a.	अलवर
II.	शीतलेश्वर	b.	जोधपुर
III.	पीपला माता	c.	झालावाड़
IV.	नीलकंठ	d.	पाली

सही कूट का चयन कीजिए-

	I	II	III	IV
(A)	a	c	d	b
(B)	d	c	b	a
(C)	d	b	c	a
(D)	a	b	c	d

[2]

व्याख्या:-

- कामेश्वर महादेव मन्दिर पाली में स्थित है।
- शीतलेश्वर मन्दिर झालावाड़ के चन्द्रावती नामक प्राचीन नगरी झालरापाटन नगर के दक्षिण में चन्द्रभागा नदी के तट पर स्थित है।
- पीपला माता का मन्दिर जोधपुर के ओंसिया में सूर्य मंदिर के पास स्थित है।
- नीलकण्ठ महादेव अलवर के राजगढ़ में अवस्थित है।

26. चित्तौड़गढ़ किले के निम्नलिखित मंदिरों में से कौन-सा एक जैन मंदिर है?

(1) कुंभश्याम मंदिर (2) सातवीश देवरी
(3) समिद्धेश्वर मंदिर (4) तुलजा भवानी मंदिर **[2]**

व्याख्या:-

- डॉ. ए. एल. जैन के अनुसार इस मंदिर का निर्माण सन् 1448 में भंडारी श्रेष्ठी संभवत वेला ने करवाया था।
- सातवीश देवरी मंदिर चित्तौड़गढ़ दुर्ग में स्थित कुंभा महल के पास त्रिपोलिया दरवाजे के आगे है।

27. निम्नलिखित में से कौन-सा चित्रकार अलवर शैली की चित्रकला से संबंधित नहीं है?

(1) जमनादास (2) बक्साराम
(3) नानकराम (4) नंदराम **[3]**

व्याख्या:-

- अलवर शैली पर ईरानी, मुगल तथा जयपुर शैली का विशिष्ट प्रभाव दिखाई देता है।
- महाराजा विनय सिंह के समय इस चित्रशैली का स्वर्णकाल था। इस शैली में गणिकाओं के चित्रण प्रमुख है।
- इस शैली के मुख्य चित्रकार जमनादास, डालचंद, सहदेव, बुद्धाराम, बक्साराम, शालिगराम, नंदराम तथा छोटेलाल प्रमुख थे।

28. निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

रचना	लेखक
(A) बोल भारमली	यादवेन्द्र शर्मा
(B) पागी	चंद्रप्रकाश देवल
(C) कोडमदे	मेघराज मुकुल
(D) पगफेरो	मणि मधुकर

(1) A (2) C
(3) B (4) D **[1]**

व्याख्या:-

- बोल भारमली राजस्थानी भाषा के विख्यात साहित्यकार सत्यप्रकाश जोशी द्वारा रचित एक काव्य रचना है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- इस हेतु इन्हें वर्ष 1977 में राजस्थान भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- यादवेन्द्र शर्मा की प्रमुख रचनाएँ चकवे की बात, संन्यासी और सुन्दरी, हजार घोड़ों पर सवार आदि हैं।

29. गवरी देवी किस गायन शैली से सम्बन्धित थी?

(1) लंगा (2) मांड
(3) तालबंदी (4) ठुमरी **[2]**

व्याख्या:-

- गवरी देवी का जन्म पाली जिले में हुआ था, ये मांड गायिका थी।
- इन्हें राजस्थान की मरु कोकिला भी कहा जाता है।
- इन्हें वर्ष 2013 में "राजस्थान रत्न पुरस्कार" से नवाजा गया।

30. नारी संत दयाबाई किसकी शिष्या थी?

(1) संत चरणदास की (2) संत निम्बार्काचार्य की
(3) संत रैदास की (4) संत रामचरण की **[1]**

व्याख्या:-

- नारी सन्त दयाबाई का जन्म डेहराग्राम (अलवर) में हुआ।
- इनके गुरु सन्त चरणदास थे। इन्होंने "दयाबोध" नामक काव्य संग्रह का संकलन किया।
- इनकी साहित्यिक भाषा शैली ब्रज थी।
- निर्गुण परक पद, साखी, चौपाई आदि की रचनाएँ इन्होंने की थी।

31. गरासिया जनजाति से संबंधित नृत्य शैली है-

(1) गवरी (2) लूर
(3) बम (4) तेरहताली **[2]**

व्याख्या:-

- जनसंख्या की दृष्टि से गरासिया राज्य की तीसरी सबसे बड़ी जनजाति है।
- इन्हें चौहान राजपूतों का वंशज कहा जाता है जो सिरोही और उदयपुर जिलों में निवास करती है।
- लूर इनका प्रमुख नृत्य है जो मेले तथा शादी के अवसर पर महिलाओं द्वारा किया जाता है।
- लूर नृत्य घूमर नृत्य का ही एक रूप है।

32. विजयदान देथा के बारे में अधोलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(1) विजयदान देथा रूपायन संस्थान के सह-संस्थापक थे।
(2) विजयदान देथा राजस्थान के प्रसिद्ध लेखक थे, जिनकी कहानी चरणदास चोर नामक नाटक के रूप में रूपान्तरित की गई।
निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(1) केवल (1) सत्य है।
(2) केवल (2) सत्य है।
(3) न तो (1), ना ही (2) सत्य है।
(4) दोनों (1) और (2) सत्य है। **[4]**

व्याख्या:-

- विजयदान देथा 'बिज्जी' राजस्थान के प्रसिद्ध लेखक थे।
- इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, पदमश्री, राजस्थान रत्न पुरस्कार से नवाजा गया है।
- इनकी प्रमुख कृतियाँ बाँता री फुलवारी, तिडो राव, उलझन, अलेखु हिटलर थी।
- इन्होंने 'चरणदास चोर' नामक लोक कथा की भी रचना की थी।
- इन्होंने बोरूदा जोधपुर में रूपायन संस्थान की स्थापना की थी।

2016

33. राजस्थान के निम्नलिखित मंदिरों में से गुर्जर-प्रतिहार काल में निर्मित मंदिरों को चुनिए –
I. आहड़ का आदिवराह मंदिर
II. आभानेरी का हर्षतमाता का मंदिर
II. राजोरगढ़ का नीलकंठ मंदिर
IV. ओसियाँ का हरिहर मंदिर
कूट-

(1) I और IV (2) I, II और IV
(3) II और IV (4) I, II, III और IV **[4]**

व्याख्या:-

गुर्जर-प्रतिहार काल में निर्मित मंदिर-

- ओसियाँ का हरिहर मंदिर
- आभानेरी का हर्षतमाता का मंदिर (दौसा),
- राजोरगढ़ का नीलकण्ठ मंदिर (अलवर)
- आहड़ का आदिवराह मंदिर
- गुर्जर-प्रतिहार शैली में मुख्य मंदिर बीच में तथा इसके चारों ओर छोटे मंदिर बनाए जाते हैं।
- गुर्जर-प्रतिहार शैली को महामारू शैली भी कहा जाता है।

34. निम्नलिखित में से राजस्थान के किस क्षेत्र से अलीबक्षी ख्याल सम्बद्ध है?

(1) करौली (2) चिड़ावा
(3) अलवर (4) चित्तौड़ **[3]**

व्याख्या:-

- 18वीं सदी में सर्व प्रथम लिखित नाट्यों को पहचान मिली, इसमें प्रमुख ख्याल - कुचामणी ख्याल (नागौर), शेखावाटी ख्याल (चिड़ावा) तथा अलीबक्षी ख्याल (अलवर) को प्रसिद्धि मिली।

35. राजस्थान का शंकरिया नृत्य किससे संबंधित है?

(1) कालबेलिया (2) भील
(3) सहरिया (4) तेरहताली **[1]**

व्याख्या:-

कालबेलियों के लोक नृत्य

- शंकरिया- यह एक युगल नृत्य है, जिसमें स्त्री-पुरुष दोनों भाग लेते हैं। इसमें अंग संचालन का प्रस्तुतीकरण अति सुंदर होता है। प्रेम कहानी पर आधारित शंकरिया नृत्य कालबेलिया जाति के सपेरों के द्वारा किया जाता है।
- बागड़िया नृत्य- भीख मांगते समय कालबेलिया यह नृत्य करते है। अन्य नृत्य- इण्डोनी, पणिहारी।

36. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित है?

नाम		ग्रंथ (संगीत)
(1)	पुंडरीक विट्ठल	रागमाला
(2)	पंडित भावभट्ट	संगीतराज

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

(3)	कुम्भा	राग कल्पद्रुप
(4)	उस्ताद चाँद खान	राग चंद्रिका

[1]

व्याख्या:-

- महाराजा मानसिंह (जयपुर) के भाई माधोसिंह के संरक्षण में पुण्डरीक विट्ठल ने रागमंजरी और रागमाला ग्रंथों की रचना की थी। संगीत राज तथा संगीत मीमांसा की रचना कुंभा द्वारा की गयी।
- पण्डित भाव भट्ट द्वारा रचित- अनुप संगीत विलास, राग विवेक, भाव मंजरी, अनुप संगीत रत्नाकर।
- "बुद्ध प्रकाश " की रचना चाँद खाँ द्वारा की गयी। ये सवाई प्रतापसिंह के गुरु थे।

37. राजस्थान के कौन-से क्षेत्र में चैत्र-शुक्ल पंचमी को 'गुलाबी गणगौर' मनायी जाती है –

(1) नाथद्वारा (2) उदयपुर
(3) बूँदी (4) जोधपुर **[1]**

व्याख्या:-

- चैत्र शुक्ल पंचमी को नाथद्वारा (राजसमंद) में गुलाबी गणगौर मनायी जाती है।

2015

38. जमनादास, छोटेलाल, बक्साराम व नन्दलाल चित्रकला की किस शैली से संबद्ध हैं?

(1) अलवर शैली (2) बीकानेर शैली
(3) मारवाड़ शैली (4) झालावाड़ शैली **[1]**

व्याख्या:–

- इस शैली में गणिकाओं का चित्रण अधिक है। अलवर शैली के प्रमुख चित्रकार डालूराम, बलदेव, सालिगराम, जमनादास, छोटेलाल, बक्साराम व नन्दलाल थे।
- चित्रकला की अलवर शैली का विकास जयपुर शैली की उपशैली के रूप में हुआ था। महाराजा विनय सिंह का काल इस शैली का स्वर्णकाल था।

39. गोगा नवमी कहा जाता है-

(1) भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की नवमी को
(2) श्रावण के कृष्ण पक्ष की नवमी को
(3) भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की नवमी को
(4) श्रावण के शुक्ल पक्ष की नवमी को **[1]**

व्याख्या:–

- 'गोगा नवमी' राजस्थान के नाग देवता गोगाजी की स्मृति में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की नवमी को मनायी जाती है।
- गोगाजी के मन्दिर गोगामेड़ी (हनुमानगढ़) तथा ददरेवा (चूरू) में है।
- गोगाजी की ओल्डी सांचौर में स्थित है।
- गोगाजी की घोड़ी का नाम नीली घोड़ी था।

40. तेजाजी मेले का आयोजन किया जाता है-

(1) मेड़ता (2) गोठ मांगलोद
(3) परबतसर (4) नागौर **[3]**

व्याख्या:–

- वीर तेजाजी की स्मृति में प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्ल दशमी को तेजाजी मेले का आयोजन परबतसर गाँव(नागौर) में किया जाता है।

41. क्षेत्रपाल राजस्थान की संस्कृति में एक महत्त्वपूर्ण पहलू रहा है–

(1) ग्राम देवता के रूप में (2) ग्राम अधिकारी के रूप में
(3) एक उपासक के रूप में (4) एक संत के रूप में **[1]**

व्याख्या:–

- राजस्थानी संस्कृति में क्षेत्रपाल की मान्यता एक ग्राम देवता के रूप में है।
- शेखावाटी क्षेत्र में स्थानीय देवी-देवताओं को क्षेत्रफल या खेतपाल कहा जाता है।

42. सांभर झील में निम्नलिखित में से किस देवी का मंदिर स्थित है?

(1) शिला देवी
(2) बवन देवी
(3) शाकम्भरी देवी
(4) कुंजल माता **[3]**

व्याख्या:-

- शाकम्भरी देवी मंदिर – सांभर झील (जयपुर)
- शिला देवी का मंदिर – आमेर दुर्ग (जयपुर)
- बवन देवी का मंदिर – जोधपुर
- कुंजल माता का मंदिर – नागौर

43. स्थान, जो अपने मृदा शिल्प के लिए विख्यात है-

(1) मोलेला
(2) कैथून
(3) सांगानेर
(4) कुचामन **[1]**

व्याख्या:-

- राजस्थान का मोलेला स्थान अपने मृदा शिल्प के लिए विख्यात है। मोलेला, जो राजसमंद जिले में बनास नदी के किनारे पर स्थित है। 2005 में यहाँ के मोहनलाल चतुर्भुज को शिल्प गुरु पुरस्कार से नवाजा गया।

44. सुमेलित कीजिए-

	पुस्तक		**लेखक**
A.	हम्मिरायण	I.	बादर
B.	वीरमायण	II.	मंछाराम सेवग
C.	रघुनाथ रूपक	III.	दुरसा आढ़ा
D.	किरतार बावणी	IV.	भाउण्ड व्यास

कूट-

	A	**B**	**C**	**D**
(A)	III	I	IV	II
(B)	IV	I	II	III
(C)	III	I	II	IV
(D)	II	I	IV	III

[2]

व्याख्या:-

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

पुस्तक	लेखक
हम्मिरायण	भाण्डऊ व्यास
वीरमायण	बादर
रघुनाथ रूपक	मंछाराम सेवग
किरतार बावणी	दुरसा आढ़ा

45. निम्नलिखित में से कौन-सा सुषिर वाद्य नहीं है?

1. सुरनाई **2. अलगोजा**

3. नागफणी **4. कमायचा**

सही विकल्प चुनिये–

(1) 1 और 3

(2) 3 और 4

(3) केवल 4

(4) 2, 3 व 4 **[3]**

व्याख्या:-

सुषिर वाद्य यंत्र

- ऐसे वाद्य यंत्र फुँक मारने से ध्वनि उत्पन्न करते है सुषिर वाद्य कहलाते हैं।
  (1) लकड़ी निर्मित- बाँसुरी, सुरनाई, अलगोजा, सतारा
  (2) धातु निर्मित- नागफणी, तुरही, मोरचंग, पूंगल, बाकियाँ
  (3) प्राकृतिक- शंख, सींगी, मशक
  नोट- कामायचा एक तत् वाद्य यंत्र है, जो पश्चिमी राजस्थान में लंगा तथा मांगणियार कलाकारों द्वारा किया जाता है।
  अन्य तत् वाद्य- सितार, इकतारा, वीणा, सारंगी आदि।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213